

# First 'Miyawaki Forest' of the District inaugurated at CUH

## Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

### Public Relations Office

Newspaper: The Tribune

Date: 22-07-2024



### FIRST 'MIYAWAKI FOREST' OF DIST AT CUH

**Mahendragarh:** Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, and Arsh Verma, Superintendent of Police, Mahendragarh, inaugurated the first 'Miyawaki forest' of the district on campus. On this occasion, the VC praised the District Forest Department for choosing the university for the project and said this was the first Miyawaki forest established in any university of the state. Prof Kumar said in future more Miyawaki forests would be developed on small plots in the campus. He said the project would also promote environmental conservation. The Vice-Chancellor urged everyone to plant trees and look after them. Explaining the need for sustainable development, he said everybody must avoid plastics to conserve the environment and water. On this occasion, Prof Sushma Yadav appreciated the efforts being made by the district administration for environmental conservation. Congratulating the winners of the competition organised under the campaign 'Ek Paudha Maa Ke Naam', she said that collective efforts by all were necessary to make the earth green. A Miyawaki forest had been planted in 2.47 acres of land on the university campus. In this, 37 types of 10,000 different plants, including amla, neem, drumstick, peepal, jacaranda, papadi, sheesham, siras and jamun were planted.



# **Central University of Haryana**

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

## Newspaper: Aaj Samaj

Date: 20-07-2024

जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए हैं 37 प्रकार के दस हजार पौधे

नीरज कौशिक

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा के द्वीप विश्वविद्यालय (हुक्कोट), महेंद्रगढ़ में सुखना को किस विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टैक्सर कुमार ने जिला के फहरे मियावाकी की तड़पटाना किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टैक्सर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को सुनाने के लिए जिला बन विभाग की मुख्यमंत्री की ओर कहा कि यह तथ्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी बन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समझौती प्रो. सुमन राज का जिला बन अधिकारी राजकुमार की भी गोपनीयी उपस्थिति अवश्यक थी। उसकी अवधारणा का अधोजन के सभी सामाजिकों का आपार अब किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे मूरुंडों का और मियावाकी बन विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दी जिसे लागा। कुलपति ने परियोजना के साथ-साथ उनकी देखभाल की भी सीधी से आँखें दिया। उन्होंने स्तर अधिकारी का अवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का उत्तराधिकारी बने बचने तथा पर्यावरण का जल संरक्षण की आशेषकाता पर जारी रखा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समझौती प्रो. सुमन राज वन



पर्यावरण संक्षण के लिए जिले प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयत्नों व सराहना की। उन्होंने द्वाएक पौधा के नामहा अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतिशोधिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए

कहा कि हमारी धरती को ह्यां-भां  
करने के लिए हम सभी का समूहिक  
प्रयास आवश्यक है।  
जिला पुलिस अधीक्षक अर्झं वर्मा ने  
बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया  
कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय में किया गया वन विकसित किए जाएंगे

मियावाकी जन सम्मानी कार्य है। उन्होंने विश्वविद्यालय को पढ़ाई के साथ-साथ प्रेटिंग, छलकर आदि अधिकारीयों में हिता लेने के लिए प्रो-सहित किया और पर्यावरण के प्रति सज्ज रहने का आहवाहन किया। जिला जन अधिकारी राजकुमार ने ज्ञानों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में प्रियाचारन की 2.4 एकड़ रुपूर्ण लगाया गया है। इसमें अवाका, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पानझी, शीशम, सीरस, जामून सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने जिला कि अधिकारीय भवित्व में जिले के अन्य शहरों में और अधिक विद्यालय के शोध अधिकारी प्रो. पलन कुमार शामा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संबंधण और परिसर में हिता लेने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैम्पस जनकैंपस क्लब के संयोगक प्रो. सुरेन सिंह ने बताया कि चंडी से न केवल हारियाली और संदर्भ बढ़ाया जाएगा अपरिहार्यों की भी आवश्यकता दिलायी जाएगी। इस अवसर पर कुलपति, संस्कृतपति, पुरुषम अधिकारी, जिला जन अधिकारी, पानी गांव के सारच सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर

प्रो. कि और तरंग से ने अल लक्ष्य इस तिं, जबन में चढ़ी गोर

Newspaper: Amar Ujala

Date: 20-07-2024

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए हैं 37 प्रकार के दस हजार पौधे

## हकेंवि में मियावाकी वन का किया उद्घाटन

संबाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया।

शिवविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएं। इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधरोपण के साथ-साथ उनकी



हकेंवि में मियावाकी वन के उद्घाटन पर पौधरोपण करने के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा, वन विभाग के अधिकारी व अन्य। स्रोत : हकेंवि

देखभाल करने का भी सभी से आव्वान किया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने 'एक पौधा मां के नाम' अधियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए

कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने

बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10 हजार पौधे लगाए गए हैं।

कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधरोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, ग्रीन कैपस क्लीन कैपस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनोज सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेज अधिकारी चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण, राजेश शर्मा झाड़ी, पाली गांव के सरपंच देशराज मौजूद रहे।

## जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति वएसपी ने किया उद्घाटन केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए गए 37 प्रकार के 10 हजार पौधे

मास्टरन्यूज़ | महेश्वर

होमेवि महेश्वर में शुक्लवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम्मुलपति प्रो. सुष्मा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएं। इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से



आह्वान किया। जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पद्धाई के साथ-साथ पैटिंग, खेलकूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के

प्रति सज्जन रहने का आह्वान किया। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंबला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामून सहित 37 प्रकार के 10 हजार पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के शोध अधिकारी प्रो. पवन कुमार शर्मा ने

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 20-07-2024

## हकेवि में 2.47 एकड़ में विकसित होगा पहला मियावाकी वन

संघर्ष सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़

: हरियाणा कैन्ट्रीय विश्वविद्यालय (हैंडेकेड), महेंद्रगढ़ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी (घने) वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। उन्होंने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। साथ



हकेवि में मियावाकी वन के उद्घाटन के अवसर पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वरकुमार और पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा • सौ. प्रक्ता

ही सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए, प्लास्टिक का उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने 'एक पौधा हरियाणा कैन्ट्रीय विश्वविद्यालय में

**37** प्रकार के 10,000 पौधे लगाए गए हैं मियावाकी वन में, फलस्वर व छातादार पेड़ हैं शामिल

किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ पैरिंटिंग, खेलकूद आदि गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण के प्रति सजग रहने की अपील की। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें अंबला, नीम, सहजन, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10,000 पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि भवारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा किया गया विकास विद्यालय के शोध अधिकारी डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनोष परिवर्तन विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेज आफिसर चंद्रप्रताप, रजनीश, नरेंद्र, सज्जन, कृष्ण तथा राजेश शमा झाइली, पाली गांव के सरपंच देशराज, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

प्रतिबद्ध हैं। ग्रीन कैपस बलीन कैपस बलब के संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जंगल से न कैवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ाया, बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, पुलिस अधीक्षक, जिला वन अधिकारी, पाली गांव के सरपंच सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया।

आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बढ़ाई देते हुए, कहा कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। विश्वविद्यालय के शोध अधिकारी डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune

Date: 20-07-2024

# जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति ने किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (हप्प)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विवि में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार की भी उपस्थिति रही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में विवि परिसर में छोटे भूखंडों पर और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे।

# हकेंवि में 2.47 एकड़ भूमि पर लगाए 37 प्रकार के दस हजार पौधे जिले के पहले मियावाकी वन का कुलपति व एसपी ने किया उद्घाटन

हरियाणा ► महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जिले के पहले मियावाकी वन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए जिला वन विभाग की सराहना की और कहा कि यह राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित पहला मियावाकी वन है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व जिला वन अधिकारी राजकुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे भूखंडों और मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा। कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का भी सभी से आह्वान किया। उन्होंने सतत विकास की आवश्यकता बताते हुए प्लास्टिक का



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधारोपण करते हुए।

फोटो: हरि भूमि

उपयोग से बचने तथा पर्यावरण व जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा

कि हमारी धरती को हरा-भरा करने के लिए हम सभी का सामिहिक प्रयास आवश्यक है। एसपी अर्ष वर्मा ने बच्चों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया मियावाकी वन सराहनीय कार्य है। जिला वन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी वन 2.47

एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आंवला, नीम, सहजना, पीपल, जकरंडा, पापड़ी, शीशम, सीरस, जामुन सहित 37 प्रकार के 10000 पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के शोध अधिकारी प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जंगल से न केवल हरियाली और सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि पक्षियों को भी आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर कुलपति, समकुलपति, एसपी, जिला वन अधिकारी, पाली गांव के सरपंच देशराज सिंह फौजी सहित अन्य लोगों ने पौधारोपण भी किया। आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, वन विभाग की ओर से रेंज अफिसर चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सजन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाड़ली, पाली गांव के संरपच देशराज आदि मौजूद थे।

# First 'Miyawaki Forest' of the District inaugurated at CUH

Param Vashist

info@impressivetimes.com

**MAHENDRAGARH:** Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Shri Arsh Verma, IPS, Superintendent of Police, District Mahendergarh inaugurated the first 'Miyawaki Forest' of the district at University Campus. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar praised the District Forest Department for choosing the University for this project and said that this is the first Miyawaki Forest established in any University of the state. On this occasion, Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chan-



cellor of the University and Shri Rajkumar, District Forest Officer were also present. Prof. Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to all the participants of this event. He said that in future more Miyawaki Forests will be developed on small plots in the University campus. He said

that this project will also promote environmental conservation. The Vice Chancellor called upon everyone to plant trees as well as take care of them. Explaining the need for sustainable development, he stressed on the need to avoid the use of plastic and to conserve the environment and water. On this occasion, Prof. Sushma Yadav appreciated the efforts being made by the district administration for environmental conservation. Congratulating the winning participating students in the competition organized under the campaign 'Ek Paudha Maa Ke Naam', she said that collective efforts of all of us are necessary to make our earth green.

# जिले के पहले नियावाकी वन का कुलपति व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (परमजीत,  
मोहन) : हरियाणा के द्वीप  
विश्वविद्यालय में शुक्रवार को  
कुलपति प्रिया टंकेश्वर कुमार ने जिले  
के पहले मियावाकी कान उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय  
कुलपति टंकेश्वर कुमार ने इस  
पर्यायोजना के लिए विश्वविद्यालय  
की चुनने के लिए उन बिधायिका  
की सहायता की और कहा कि यह  
गज्य के किनी भी विश्वविद्यालय में  
स्थापित पहला मियावाकी बन है।

इस अवसर पर की सम्मुखलपति प्रो. सुमन यादव व जिला बन अधिकारी राजकुमार की भी राजमानी उपस्थिति ही। कुपलमणि ने इस आयोजन के पास महाराष्ट्रीयों का आभार व्यक्त किया। उहनें भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में छोटे खड़ों पर औंगलियावाकी बन कियकरित प्राप्त जाएगी। उहनें कहा कि इस परियोजने में वर्णनवरण संरक्षण को बढ़ावा भी मिलेगा।

कुलपति ने पौधारोपण के साथ-साथ



पौधारोपण करते पुलिस अधीक्षक अर्थ वर्मा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला



विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते कुलपति टंकेश्वर कमार।

जिला पुलिस अधीक्षक अर्थ वर्मा ने बत्तों को संदेश के माध्यम से बताया कि वन विभाग द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया

जिला वन अधिकारी श्री राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में मियाचकी वन 2.47 एकड़ भूमि में लगाया गया है। इसमें आवलो

केंद्रीय विवि . में  
2 .47 एकड़ भूमि  
पर लगाए गए हैं  
37 प्रकार के दस  
हजार पौधे

विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण और परिसर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रीन कैपस बतीन कैपस कलब  
के संयोजक प्रा. सुरेन्द्र शिंह ने बताया  
कि: ज़िला से न कवर हारियाली और  
सौदर्य द्वारा बाल्क पक्षियों की  
आश्रय मिलेगा। इस अवसर पर  
कुलपति, समकुलपति, पुलिस  
अधिकारी, जिला चान अधिकारी,  
लाल गाँव के सरपंच कहित अन्य  
लोगों ने पौधारोपण भी किया।

इस अवसर नीलम साधावन, प्रो. बौरपाल सिंह यादव, डॉ. जितेंद्र, डॉ. मनीष सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, तथा विभाग की आगे से डॉ. अफिसर चंद्रगुप्त, नरेंद्र, सन्धन, कृष्ण तथा राजेश शर्मा झाडलौ, पाली गाँव के संरचनेदेशारज, विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

